न्यूज डायरी

गिलगित के दौरे पर बोले पाकिस्तानी आर्मी चीफ, जंग के लिए तैयार रहे सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के गिलगित–बाल्टिस्तान इलाके को अलग प्रांत बनाए जाने को लेकर देश में चल रहे विरोध के बीच पाकिस्तानी आर्मी चीफ मंगलवार को इलाके के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान जनरल कमर जावेद बाजवा ने भारत से लगे नियंत्रण रेखा का दौरा किया। उन्होंने भारत का नाम लिए बिना कहा कि सेना उभरते हुए खतरों से निपटने के लिए तैयार रहे। माना जा रहा है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख का इशारा भारत और चीन के बीच लद्दाख में चल रहे तनाव की ओर था। पाकिस्तानी सेना ने एक बयान जारी करके कहा कि गिलगित में स्थ्थानीय कमांडरों ने उन्हें एलओसी पर भारत के साथ ताजा हालात और अपनी सैन्य तैयारी के बारे में जानकारी दी। इस दौरान पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने अपने जवानों को उभरती हुए खतरों से निपटने के लिए सर्वोच्च स्तर की तैयारी करने के लिए ताकीद किया। उन्होंने कहा कि सेना चुनौतिपूर्ण माहौल के लिए तैयार रहे।

19 साल पुरानी शादी तोड़ी, अब दो–दो गर्लफ्रेंड को एक साथ कर रहा डेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेनिसिल्वेनिया। एक शख्स ने अपनी 19 साल पुरानी शादी इसलिए तोड़ दी, ताकि वह एक से अधिक महिलाओं के साथ रिश्ते में रहे। फिलहाल यह शख्स एक ही साथ दो महिलाओं को डेट कर रहा है और उन दोनों महिलाओं को भी इससे कोई परेशानी नहीं है। यह मामला है अमेरिका के पेनसिल्वेनिया का। 46 वर्षीय बिजनसमैन शाई फिशमैन और उनकी 42 वर्षीय पत्नी डैनीली ने पहले सालों तक ओपन मैरिज के जरिए रिश्ते को बचाने की कोशिश की थी। हालांकि, जब यह भी काम नहीं आया तो दोनों एक–दूसरे से अलग हो गए। शाई को एक ही साथ दो महिलाओं को डेट करने का आइडिया कुछ टीवी सीरियल को देखकर आया था। इसके बाद ही उन्होंने ऑनलाइन अपने लिए साथी तलाशना शुरू कर दिया, जहां उनकी मुलाकात 40 वर्षीय लिया और 41 वर्षीय क्रिसी से हुई। शाई ने बताया कि उन्हें यह विचार हमेशा परेशान करता था कि उन्हें सिर्फ एक ही इंसान से अपने प्यार, रोमांस और भावनाओं को प्रदर्शित करने की इजाजत है।

बिस्किट के ऐड में दाऊद की गर्लफ्रेंड का डांस, मच गया बवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पाकिस्तान। पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेग्युलेटरी अथॉरिटी ने ब्रॉडकास्टर्स और ऐडवर्टाइजर्स के लिए अडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि ऐसे थीम और कॉन्टेंट का इस्तेमाल न किया जाए जो प्रॉडक्ट से मेल नहीं खाता हो। दरअसल, देश में इन दिनों एक ऐड को लेकर बवाल मचा हुआ है। इस ऐड के साथ ही एक बार फिर विवादो में हैं पाकिस्तानी ऐक्ट्रेस महविश हयात। महविश पिछले दिनों तब चर्चा में आई थीं जब उनका नाम अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जोड़ा गया था। गाला बिस्किट के ऐड में महविश डांस करती दिखाई दे रही हैं जो सोशल मीडिया पर लोगों के गले नहीं उतरा है। लोगों ने इसे पाकिस्तानी समाज के खिलाफ बता डाला है। यहां तक कि कॉलमिस्ट और पत्रकार अंसार अब्बासी ने इसे मुजरा तक बता दिया और Pemra से इसके खिलाफ ऐक्शन लेने की मांग की थी।

बांग्लादेश में दो गुटों के बीच झड़प में चार रोहिंग्या शरणार्थियों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। बांग्लादेश की पुलिस ने बताया कि मंगलवार देर रात रोहिंग्या शरणार्थियों के एक शिविर में दो अपराधी गुटों ने एक–दूसरे पर हमला किया और इस घटना में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रफीकुल इस्लाम ने बताया कि कॉक्स बाजार जिले के उखिया के कुतुपालोंग में दोनों गुटों ने एक–दूसरे पर देसी बंदूकों और धारदार हथियारों से हमला किया। इस घटना में 20 अन्य शरणार्थी घायल भी हो गए। उन्होंने बताया कि जिले के शिविरों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इन स्थानों पर म्यामां से आए 700,000 रोहिंग्या शरणार्थियों ने शरण ली हुई है।

रूस ने दागी दुनिया की सबसे घातक क्रूज मिसाइल जिरकॉन

तनाव

परीक्षण ऐसे समय पर किया है जब रूस का अमेरिका और नाटो के साथ तनाव चल रहा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मास्को। रूस ने अपनी सबसे घातक हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल जिरकॉन का सफल परीक्षण किया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस मिसाइल का परीक्षण बैरंट सागर में किया गया है। इस मिसाइल ने ध्वनि की तुलना में 8 गुना ज्यादा स्पीड (मैक 8) से 450 किमी की दूरी तय की और अपने नकली लक्ष्य को तबाह किया। रूस ने यह परीक्षण ऐसे समय पर किया है जब उसका अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो देशों के साथ तनाव चल रहा है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जिरकॉन मिसाइल के सफल परीक्षण की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि रूस के लिए यह एक महत्वपूर्ण घटना है जो देश की सुरक्षा को बढ़ाएगी। रूसी राष्ट्रपति ने इस परियोजना में शामिल सभी लोगों की प्रशंसा की। उन्होंने आशा जताई कि भविष्य में भी रूसी विशेषज्ञ सेना को फिर से ताकतवर बनाने के लिए काम करते रहेंगे।

4.5 मिनट में 450 किमी की दूरी तय की: रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस हाइपरसोनिक मिसाइल की रेंज 450 किमी रही। मिसाइल ने 28 किमी की ऊंचाई से उड़ान भरी और 4.5 मिनट में 450 किमी की दूरी को तय करते हुए अपने लक्ष्य को तबाह कर दिया। इस दौरान मिसाइल ने 8 मैक की स्पीड हासिल की। बता दें कि हाइपरसोनिक मिसाइल की दुनिया में सबसे आगे रूस चल रहा है। रूस ने अपनी 3ड22 जिरकॉन मिसाइल को तैनात करना शुरू कर दिया है।

विशेषज्ञों के मुताबिक भारत की ब्रह्मोस–2 मिसाइल भी जिरकॉन पर आधारित है। आम मिसाइलें बैलस्टिक ट्रैजेक्टरी फॉलो करती हैं। इसका मतलब है कि उनके रास्ते को आसानी से ट्रैक किया जा सकता है। इससे दुश्मन को तैयारी और काउंटर अटैक का मौका मिलता है जबकि हाइपरसोनिक वेपन सिस्टम कोई तयशुदा रास्ते पर नहीं चलता। इस कारण दुश्मन को कभी अंदाजा नहीं लगेगा कि उसका रास्ता क्या है। स्पीड इतनी तेज है कि टारगेट को पता भी नहीं चलेगा। यानी एयर डिफेंस सिस्टम इसके आगे पानी भरेंगे।

एस–500 के अलावा इसे कोई रोक नहीं सकता: रूस के अत्याधुनिक एस–500 एयर डिफेंस सिस्टम के अलावा किसी भी देश के पास हाइपरसोनिक मिसाइलों का रोकने की क्षमता नहीं है। रूस और चीन से टक्कर के लिए अमेरिका भी इस ब्रह्मास्त्र का निर्माण कर रहा है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि अमेरिका अभी अविश्वसनीय मिलिट्री एक्विपमेंट बना रहा है। उन्होंने इसे सुपर–डुपर मिसाइल नाम दिया। ट्रंप ने यह भी कहा कि हमारे पास अभी जो मिसाइलें मौजूद हैं यह उससे यह 17 गुना तेज है।

मिस्र में 2500 साल पुरानी ममी को नींद से जगाया, सता रहा शाप लगने का डर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

गीजा। पिछले दिनों कायरो के दक्षिणी हिस्से में सक्कारा के कब्रिस्तान में मिट्टी की कब्रें मिलीं। दो महीने पहले शुरू हुए मिशन में 36 फीट गहराई में ये जगह मिली जिसमें 13 ताबूत थे। और गहराई में जाने पर और ज्यादा ताबूत मिलने लगे। इसके बाद पुरातत्वविद बेहद उत्साहित हो गए लेकिन इस खोज को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं।

दरअसल, कहा जाता था कि ममी को खोलकर उसे नींद से जगाने वाले पर शाप लगता है। इसे लेकर डर भी फैलने लगा है लेकिन इससे ज्यादा सवाल इस बात पर हो रहे हैं कि आखिर सदियों पुराने ताबूतों को खोलना आखिर क्यों जरूरी था?

दरअसल, डर यह सामने आ रहा है कि 2500 साल पहले जिस वजह से इन लोगों की मौत हुई होगी कहीं उसका असर इन ताबूतों से छेड़छाड़ करने पर न दिखे। इस बात पर भी सवाल उठाए गए हैं कि जब ये ममी किसी फिरौन 40 प्रेस को दिखाए गए। शुरुआती रिसर्च में माना गया है कि इनमें से ज्यादातर ताबूत पादरियों, अधिकारियों और उच्च वर्ग के रहे होंगे। इन सभी के मरने के बाद परंपरा के मुताबिक इन्हें दफनाया गया। इसमें लोहे के हुक से उनकी नाक के रास्ते दिमाग निकालना भी शामिल था। उम्मीद भी की जा रही है कि यहां और ज्यादा ताबूत अंदर दफन हो सकते हैं।

स्टेपनकर्ट में आग उगल रही अजरबैजान की तोपें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) येरेवान/बाकू। आर्मीनिया और अजरबैजान के बीच जारी भीषण जंग दुनियाभर से तमाम प्रयासों के बाद भी थमने का नाम नहीं ले रही है। अजरबैजान और आर्मीनिया दोनों की तोपें एक–दूसरे के इलाके पर आग बरसा रही हैं। अजरबैजान ने बुधवार को बताया कि विवादित नागोरनो–काराबाख में भीषण जंग जारी है। आर्मीनिया ने बताया कि अजरबैजान नागोरनो–काराबाख की राजधानी स्पटेपनकर्ट में गोले दाग रहा है। उधर, आर्मीनिया ने भी दावा किया है कि उसने अजरबैजान के तेल के बड़े ठिकाने को बर्बाद कर दिया है। अजरबैजान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि ताजा संघर्ष में दुश्मनों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। उसने बताया कि आर्मीनिया के एक टैंक और 3 तोपों को बर्बाद कर दिया गया है।

तिब्बत की राजधानी ल्हासा को किला बना रहा चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ल्हासा। चीनी अथॉरिटी ने तिब्बत की राजधानी ल्हासा में पुलिस की मौजूदगी बढ़ा दी है। यहां कई सिक्यॉरिटी सेंटर खोले गए हैं। तिब्बत के सूत्रों ने RFA को बताया है कि ऐसा तिब्बती लोगों को नियंत्रित करने के लिए किया गया है। सिक्यॉरिटी सेंटर्स के जरिए स्थानीय जनता को सर्विलांस में रखा जाता है जिससे एक केंद्रीय स्टेट कंट्रोल कायम होता है। पिछले साल आई रिपोर्ट में कहा गया था कि ऐसे 700 पुलिस आउटपोस्ट तिब्बत और शिनजियांग उइगर ऑटोनॉमस रीजन में कम्यूनिटी सेंटर का काम करते हैं।

पुलिस अहफिसर बनना आसान

विरोध की आवाजें दबाने को चप्पे–चप्पे पर पुलिस

तिब्बत में एक सूत्र ने RFA को बताया है कि सिक्यॉरिटी सेंटर ल्हासा और तिब्बत के दूसरे शहरों में सामने आ रहे हैं। इनके साथ ही बड़ी संख्या में पुलिस ऑफिसर तैनात किए जा रहे हैं। सूत्र के मुताबिक, अभी तक ल्हासा में ऐसे 130 सेंटर खड़े कर दिए गए हैं। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी तिब्बत में पुलिस ऑफिसर तैनात कर रही है। पुलिस ऑफिसर बनने के योग्य ग्रैजुएट्स के लिए ल्हासा में नौकरी पाना आसान हो गया है।

प्रदर्शन रोकने को कियाः वहीं, एक और सूत्र का कहना है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग की नीति यह है कि देश की रक्षा के लिए देशा की सीमा की रक्षा जरूरी है। सीमा की रक्षा के लिए तिब्बत में शांति कायम रखना अहम है। हालांकि, असल में इतनी पुलिस इसलिए तैनात की गई है ताकि चीन की सरकार के खिलाफ तिब्बत में प्रदर्शन न हो सकें। चीनी स्टेट मीडिया के मुताबिक ल्हासा में श्पहला युवा पुलिस स्कूलश 23 सितंबर को खोला गया था।

जताई गई चिंताः न्यूयॉर्क में Human Rights Watch ने इस पर चिंता जताई है। उसका कहना है कि तिब्बत में सिक्यॉरिटी सेंटर्स बढ़ते देखकर वह परेशान है। HRW के चीन में डायरेक्टर ने कहा कि ऐसी गतिविधियों से तिब्बत के अंदर तिब्बतियों की ही आजादी और मानवाधिकारों पर नियंत्रण होगा।

पाकिस्तान में गेहूं की कीमतें इतिहास में सबसे ज्यादा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में गेहूं की कीमत ने रेकॉर्ड तोड़ दिए। यह इतिहास में अब तक की सबसे ज्यादा 2400 रुपये प्रति 40 किलो की कीमत यानी 60 रुपये में एक किलो पर पहुंच गई। इसके साथ ही देश की सरकार के महंगाई काबू में करने और खाद्य सुरक्षा मुहैया कराने की कोशिशों के असफल होने के इशारे मिलने लगे हैं। पिछले दिसंबर में देश में हालात बेहद खराब दिखने लगे थे जब गेहूं की कीमत 2000 रुपये प्रति 40 किलो पर पहुंच गई थी। इस साल अक्टूबर में ही यह रेकॉर्ड टूट गया। ऑल पाकिस्तान फ्लार असोसिएशन ने मांग की है कि देश और राज्य की सरकारें गेहूं के क्रय मूल्य का ऐलान जल्द करें क्योंकि सिंध में कटाई का मौसम शुरू हो चुका है और पंजाब में अगले महीने शुरू हो जाएगा। वहीं, किसानों ने मांग की है कि सर्टिफाइड बीजों की कीमतों का ऐलान किया जाए और अगले 24 घंटे में 50 किलो के बैग की कीमत का ऐलान भी किया जाए। फ्लार असोसिएशन का कहना है कि मिल मालिक देश में गेहूं की कमी के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। वहीं, सरकार ने रूस से दो लाख मेट्रिक टन गेहूं आयात किया है जो इस महीने आ जाएगा।